एम.ए.उतरार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र – मध्यकालीन एवं प्राचीन राजस्थानी काव्य

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन एंव मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परम्परा का अध्ययन।
2. भक्ति परक रचना एंव रचनाकारों का विशिष्ट अध्ययन।
3. प्राचीन रचनाओं एंव वीर रसात्मक रचनाओं का विशिष्ट अध्ययन।

पाठयपुस्तकें

रणमल्ल छंद : श्रीधर व्यास
वेलि किसण रूकमणी री : पृथ्वीराज राठौड़
हाला झाला री कुण्डळिया : ईसरदास, मीरां वृहद् पदावली

अंक योजना

व्याख्या– 9 x 4 = 36 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न 16 x 4 = 64 अंक

प्रथम इकाई

चारों पुस्तकों में से एक-एक सप्रंग व्याख्या पुछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा । (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होगें) 9 x 4 = 36 अंक

द्वितीय इकाई

रणमल्ल छंद : श्रीधर व्यास 16 अंक

तृतीय इकाई

वेलि किसण रूकमणी री: पृथ्वीराज राठौड़ 16 अंक

चतुर्थ इकाई

हाला झाला री कुण्डळिया : ईसरदास 16 अंक

पंचम इकाई

मीरां वृहद् पदावली : भाग प्रथम (प्रथम 101 पद) 16 अंक

पाठयपुस्तकें

1. रणमल्ल छंद: (सं.) मूलचन्द प्राणेश, भारतीय विद्या मदिंर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।
2. वेलि किसण रूकमणी री: (सं.)नरोत्तम दास स्वामी, श्रीराम मेहरा एण्ड सन्स, आगरा।
3. हाला झाला री कुण्डळिया: (सं.) डॉ0 मोतीलाल मेनारिया, द्विवेदी पुस्तक भण्डार, उदयपुर।
4. मीरा वृहद् पदावली- भाग प्रथम : (सं.) पुरोहित हरिनारायण प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. प्राचीन काव्य रूपों की पंरपरा: अगरचन्द नाहटा : भारतीय विद्या मन्दिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।
2. वेलि किसण रूकमणी री : आनन्द प्रकाश दीक्षित।

द्वितीय प्रश्न पत्र – मध्यकालीन एवं प्राचीन गद्य

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य परंपरा का अध्ययन
2. वचनिका परंपरा का अध्ययन
3. राजस्थानी वात परंपरा का अध्ययन
4. राजस्थानी वात परंपरा की समृद्ध एवं विस्तृत रचनाओं का अध्ययन ।

पाठ्यपुस्तकें

1. वचनिका अचलदास खीची री : शिवदास गाडण
2. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग – 1 : (सं.) डॉ. नरोतम स्वामी
3. कुवंरसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा
4. मारवाड रा उमरावां री वारता : (सं.) सौभाग्यसिंह शेखावत

अंक योजना

व्याख्या– 36 अंक

आलोचनात्मक प्रश्न 64 अंक

प्रथम इकाई

चारों पुस्तकों में से एक-एक सप्रंग व्याख्या पुछी जायेगी इनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा । (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होगें) 9 x 4 = 36 अंक

द्वितीय इकाई

वचनिक अचलदास खींची री : शिवदास गाडण 16 अंक

तृतीय इकाई

राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग – 1 16 अंक

चतुर्थ इकाई

कुवंरसी सांखलो 16 अंक

पंचम इकाई

मारवाड रा उमरावां री वारता 16 अंक

पाठ्यपुस्तकें

1. अचलदास खीची री वचनिका : (सं.) भूपति राम साकरिया, पंचशील प्रकाश्न, जयपुर।
2. राजस्थान साहित्य संग्रह भाग– (सं.) डॉ. नरोतम दास स्वामी : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर ।
3. कुवंरसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा, पचंशाील प्रकाशन, जयपुर।
4. मारवाड रा उमरावां री वारता : (सं.) सौभागसिंह शैखावत, राजस्थानी ग्रथागार, जोधपुर ।

तृतीय प्रश्न पत्र : काव्य शास्त्र एवं पाठालोचन

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

अध्ययन क्षेत्र

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्वान्तों का अध्ययन
2. विभिन्न काव्यरूपों का अध्ययन
3. राजस्थानी काव्यशास्त्र और छन्दशास्त्र का अध्ययन
4. पाठालोचन के सिद्वान्त एवं पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नही किया गया है ।

नोटः इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नहीं किया गया है।

पाठ्यक्रम विषय सामगी

इकाई 1 : साहित्य का स्वरूप तथा विवेचना, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि, साहित्य के तत्व, काव्य की मूल प्रेरणा और प्रयोजना

इकाई 2 : रस सिद्वान्त : रस नि पति, साधारणीकरण अलंकरी सम्प्रदाय,वक्रोति सिद्वान्त (स्वरूप और भेद) ध्वनि सिद्वान्त (ध्वनि का अर्थ और भेद)

इकाई 3 : अरस्तू क काव्य सिद्वान्त (अनुकृति सिद्वान्त,विरेचन सिद्वान्त एवं काव्यरूपों का विवेचन), कोंचे का अभिव्यंजनावाद, आई, ए, रिचर्ड्स का काव्य सिद्वान्त (मूल्य सिद्वान्त)

इकाई 4 : राजस्थानी छन्दशास्त्र का परिचय, अलंकार, काव्य - दोष

इकाई 5 : पाठालोचन की परिभाषा, स्वरूप और सिद्वान्त

अंक योजना :

इस प्रश्न पत्र में काव्य शास्त्र के लिए 80 अंक तथा पाठालोचन के लिए 20 अंक निर्धारित है।

प्रथम इकाई	
साहित्य शास्त्र - (एक प्रशन आन्तरिक विकल्प सहित)	20 अंक
द्वितीय इकाई	
भारतीय काव्य शास्त्र - (एक प्रशन आन्तरिक विकल्प सहित)	20 अंक
तृतीय इकाई	
पाश्चात्य काव्य शास्त्र - (एक प्रशन आन्तरिक विकल्प सहित)	20 अंक
चतुर्थ इकाई	
राजस्थानी काव्य शास्त्र - (एक प्रशन आन्तरिक विकल्प सहित)	20 अंक
पंचम इकाई	
पाठालोचन सिद्वान्त और प्रक्रिया(एक प्रशन आन्तरिक विकल्प सहित)	20 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

रस मीमांसा	: रामचन्द्र शुक्ल
भारतीय साहित्यशास्त्र	: बलदेव उपाध्याय
पाठालोचन सिद्वान्त और प्रकिया	: डॉ. मिथलेश कांत तथा विमलेश कान्ति
समीक्षा सिद्वान्त	: डॉ. राम प्रकाश
भारतीय पाठालोचन की भुमिका	: डॉ. एस.एस. कत्रे
रघुवर जस प्रकास	: डॉ. किसना आडा, प्रकाशक:राजस्थान प्राच्य विद्या प्रति ठान, जोधपुर

चतुर्थ प्रश्न पत्र : विशिष्ट साहित्यकार

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

विशिष्ट साहित्यकार के अध्ययन के सबंधं में तीन साहित्यकारों कें व्यक्तित्व और कृतित्व को अध्ययन का आधार बनाया गया है। जिनमें तीन साहित्यकारो का निर्धारण किया गया है । विद्याार्थी इन तीनों में सें एक साहित्यकार का चयन कर अध्ययन करेगें

1. ईसरदास 2. महाराजा चतुरसिंह 3. जनकवि गणेशलाल व्यास ''उस्ताद''
2.

पाठ्यपुस्तकें

प्रत्येक साहित्यकार के लिए निम्न पाठ्यपुस्तक का निर्धारण किया गया है । जिनमें से एक का अध्ययन करना होगा ।

1. हरिरस	: ईसरदास (कुल 50 पद)
2. चतुर चितामणी	: महाराजा चतुरसिंह (डिंगलखण्ड): महाराजा मेवाड फाउण्डेशन ट्रस्ट, उदयपुर ।
3. जनकवि उस्ताद	: सं. रावत सारस्वत, रामेश्वर दयाल श्रीमाली
	प्रकाशक : राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर

अंक योजना

व्याख्या –	36 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न	64 अंक

निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में से चयनित साहित्यकार के अनुसार

प्रथम इकाई : व्याख्या कुल चार : (आन्तरिक विकल्प सहित) 36 अंक

व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित आलोचनात्मक प्रशन

कुल चार प्रश्न : जिनमें आन्तरिक विकल्प दिया जायेगा 16 x 4 = 64 **अंक**

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. हमारा उस्ताद	: विजयदान देथा
2. महाराजा चतुरसिंह	: संग्रामसिंह राणावत
3. ईसरदास बारहठ	: (मोगोग्राफ) प्रकाशक:साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

पंचम प्रश्न पत्र – निबंध/लघु शोध प्रबंन्ध/पाठ सम्पादन

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

निर्देश (1)– इस प्रश्न पत्र में किसी एक विषय पर निबंध लिखना होगा ।

निर्देश (2)– यह निबंध राजस्थानी भाषा में अनिवार्य रूप से लिखना होगा ।

अथवा

लघु शोध प्रबन्ध

लघु शोध प्रबंन्ध लिखने की अनुमति उसी विद्याार्थी को दी जायेगी जिसने एम.ए.पूर्वार्द्व परीक्षा में 55 प्रतिशत अथवा अधिक अंक पाप्त किये हों ।

लघु शोध प्रबंन्ध हेतु विद्यार्थी को अंकित 100 पृष्ठो में लघुशोध प्रस्तुत करना होगा । इस शोध प्रबन्ध का माध्यम भी राजस्थानी हो होगा । लघु शोध प्रबन्ध किसी प्राधाध्यापक के निर्देशन में तैयार किया जायेगा जिसके लिये एक विषय निर्धारित किया जाना होगा विषय राजस्थानी साहित्य से सम्बन्धित होना चाहिये ।

अथवा

पाठ सम्पादन

इस प्रश्न पत्र को वे ही नियमित छात्र दे सकते है जिनके 60 प्रतिशत अथवा अधिक अंक होगें पाठ सम्पान कार्य हेतु विषय निर्धारित एवं मार्गदर्शन हेतु महाविद्यालय के राजस्थानी प्रधाध्यापक के मार्गनिर्देशन मे ही कार्य करना होगा ।पाठ सम्पादन हेतु वहीं हस्तलिखित ग्रन्थ सवीकृत होगा जिसके कम से कम 20 पृष्ठ हों तथा हस्तलिखित दों प्रतियां उपलब्ध हों । सम्पादन की स्पष्टता के लिये हस्तलिखित दो प्रतियां उपलध हों ।सम्पादन के साथ संलग्न किया जाना आवश्यक होगा। सम्पादन का कार्य राजस्थानी में किया जाना चाहिए ।